No. of Printed Pages : 4

MES-051

04413

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2012

MES-051 : PHILOSOPHICAL AND SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

*Note : All questions are **compulsory**. All questions carry **equal** weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

Discuss value as a major domain of philosophical enquiry and its significance in our life with special reference to education.

OR

Critically examine how Islamic philosophical thought has influenced Islamic education system ?

2. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the nature and scope of social relationships in a society from different theoretical perspectives.

OR

What is a social system ? How does a school qualify to be called a social system ?

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

(a) Explain the criteria for an 'activity' to be called as educational.

(b) Discuss the issues of equity in the educational development with reference to India.

(c) Explain Marxist perspective on social stratification.

(d) Explain the nature of priori and posteriori knowledge.

(e) What is hidden curriculum ? Give examples of its prevalence in the education systems of India.

(f) Explain the idealist position that idea is the ultimate reality.

4. Answer the following question in about **600** words :

Which of the models of governance in education, state control or decentralisation is suitable for contemporary India ? Give justifications.

एम.ई.एस.-051

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। सभी प्रश्नों की **भारिता समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए। दार्शनिक परिपृच्छा (enquiry) के प्रमुख क्षेत्र के रूप में मूल्य और शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में हमारे जीवन में इसके महत्व की चर्चा कीजिए।

अथवा

इस्लामी दार्शनिक विचार ने किस प्रकार इस्लामी शिक्षा पद्धति को प्रभावित किया है ? समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए। समाज में विभिन्न सैद्धान्तिक सन्दर्भों / परिप्रेक्ष्यों (perspectives) से सामाजिक सम्बन्धों की प्रकृति एवं कार्यक्षेत्र की चर्चा कीजिए।

अथवा

सामाजिक व्यवस्था क्या है ? विद्यालय किस प्रकार एक सामाजिक व्यवस्था कहलाने योग्य होता है ?

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) के उत्तर दीजिए।

(a) शैक्षिक कही जानेवाली क्रिया / क्रियाकलाप (activity) के लिए मापदण्डों की व्याख्या कीजिए।

(b) भारत के विशेष सन्दर्भ में शैक्षिक विकास में समदृष्टि / निष्पक्षता / साम्या (equity) के विषयों / समस्याओं (issues) की चर्चा कीजिए।

(c) सामाजिक स्तरीकरण (social stratification) पर मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य / सन्दर्भ (perspective) की व्याख्या कीजिए।

(d) पूर्ववर्ती / पूर्व / प्राथमिक (Priori) और परवर्ती / उत्तरकालीन (Posteriori) ज्ञान के प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

(e) प्रच्छन्न / अप्रत्यक्ष पाठ्यचर्या क्या है? भारत की शिक्षा व्यवस्था में इसके प्रचलन के उदाहरण दीजिए।

(f) इस आदर्शवादी (idealistic) प्रकथन / दृष्टिकोण (position) की व्याख्या कीजिए कि "विचार चरम तत्व/सत्ता (ultimate reality) है।"

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

शिक्षा में (अभि) शासन, केन्द्र नियन्त्रण अथवा विकेन्द्रीकरण का कौन सा माडल समकालीन भारत के लिए उपयुक्त है? स्पष्ट कीजिए।